बच्चों की नैतिकता और मूल्यों पर इंटरनेट का प्रभाव

मेन्स के लिये:

बच्चों की नैतिकता और मूल्यों पर इंटरनेट का प्रभाव।

चर्चा में क्यों?

कंप्यूटर और ज्ञान के इस युग में, नैतिक और सामाजिक मूल्यों का लोगों पर तथा समाज में शिक्षा प्रक्रिया पर अपरिहार्य प्रभाव पड़ता है।

बच्चों पर इंटरनेट के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव:

- **सकारात्मक प्रभाव:**
  - **शिक्षण क्षेत्र में आगे बढ़ाने की प्रेरणा:**
    - मीडिया ने बच्चों को शिक्षा और खेल में आगे बढ़ाने के लिये प्रेरित किया है।
      - इसके अतिरिक्त अनेक ऐसे उदाहरण हैं कि जहाँ युवाओं ने इंटरनेट के सहयोग से अकादमिक कॅरियर में महत्त्वपूर्ण लक्ष्य हासिल किये हैं और साथ ही साथ इसकी सहायता से युवाओं ने खेल के क्षेत्र में असाधारण कीर्तिमान स्थापित किये हैं।
  - **सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने में मदद करना:**
    - यह पाया गया है कि मीडिया प्रौद्योगिकी के उपयोग और प्रभाव ने युवाओं में सामाजिक कौशल को बढ़ावा दिया है जिसका वे अपने भविष्य निर्माण के क्रम में उपयोग करने में सक्षम हैं।
      - उदाहरण के लिये, यह देखा गया है कि कंप्यूटर और वीडियो गेम खेलकर बच्चे स्वतंत्र तथा रचनात्मक रूप से अपने लिये सोचने की क्षमता सीख रहे हैं।
  - **अन्तर-क्रियाशीलता में वृद्धि:**
    - इंटरनेट की बढ़ी हुई अन्तर-क्रियाशीलता से भी बच्चे लाभान्वित होते हैं।
      - यह तर्क दिया जा सकता है कि यह युवाओं के लिये इंटरनेट के सबसे बड़े लाभों में से एक है कि यह सूचना, ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान की अनुमति देता है जो कि सीखने के अनुकूल वातावरण के लिये अति आवश्यक हैं।
  - **नैतिक योग्यता के गुण को बढ़ावा:**
    - इंटरनेट पर सकारात्मक जानकारी का प्रसार, पहुच तथा सकारात्मक व्यक्तित्वों के साथ बातचीत सहानुभूति, करुणा और नैतिक योग्यता के गुणों को आत्मसात करने में सहायक है।
- **नकारात्मक प्रभाव:**
  - **दवाब और साइबरबुलिंग के बढ़ते उदाहरण:**
    - साइबरबुलिंग और सुरक्षा जोखिम बच्चों द्वारा इंटरनेट के बढ़ते उपयोग से जुड़े हैं, जो नैतिक और मूल्य-केंद्रित विकास को कम करता है।
      - साइबरबुली वे व्यक्ति हैं जो छोटे बच्चों या युवा वयस्कों को विभिन्न माध्यमों जैसे त्वरित संदेश और ईमेल के माध्यम से लक्षित करते हैं।
        - अधिकांश मामलों में एक अपराधी द्वारा इंटरनेट का उपयोग करके दूसरे को धमकाना या धमकाना शामिल है।
  - **मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:**
    - एक सामान्य प्रभाव यह है कि यह व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।
    - कुछ मामलों में, यह अवसाद और आत्मघाती विचारों को जन्म दे सकता है।
    - साथ ही, इससे रिश्तों में अंतरंगता की कमी हो सकती है और यह सामाजिक समूहों तथा गतिविधियों से पीछे हटने का कारण भी बन सकता है।
  - **आलोचनात्मक सोच के दायरे को सीमित करता है:**
    - इंटरनेट पर रेडीमेड जानकारी का उपयोग करने से बच्चों की गंभीर रूप से सीखने की क्षमता सीमित हो जाती है, जिससे उनका संज्ञानात्मक विकास प्रभावित होता है।
  - **समाज से अलगाव:**
    - इंटरनेट बच्चों को सामाजिक वास्तविकता से अलग करता है, जो उनमें सामाजिक उदासीनता पैदा कर सकता है, जिसके

परिणामस्वरूप अंततः हमारे नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का ह्रास होता है।
- इसके अलावा, सामाजिक अलगाव उनके निर्णय लेने और नेतृत्व कौशल को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।

आगे की राह

- **संतुलित दृष्टिकोण अपनाना:**
  - इंटरनेट के सकारात्मक पहलुओं को नजरअंदाज़ करना मुश्किल है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिये उचित इंटरनेट सुरक्षा उपाय करना महत्त्वपूर्ण है कि आप नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए बिना प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएँ।
  - बच्चों द्वारा इंटरनेट के उपयोग पर प्रतिबंध को विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम विकास के साथ तालमेल रखने के लिये इंटरनेट का उपयोग करने की उनकी आवश्यकता के साथ संतुलित किया जाना चाहिये।
- **संचार कुंजी होता है:**
  - बच्चों और माता-पिता, शिक्षकों आदि के बीच संचार की खाई इस मुद्दे की गंभीरता को बढ़ाती है।
  - संचार के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने और इंटरनेट की सभी अच्छी तथा बुरी विशेषताओं के बारे में स्पष्टीकरण बच्चों पर प्रौद्योगिकी के नकारात्मक भावनात्मक प्रभाव को कम करेगा।
- **वास्तविक जीवन संचार में संलग्न होने के लिये प्रोत्साहित करना:**
  - अपने बच्चों को ऑनलाइन नेटवर्किंग के बजाय लोगों के साथ अधिक वास्तविक जीवन संचार में संलग्न होने के लिये प्रोत्साहित करें।
  - उन्हें वास्तविक जीवन में मित्रता और संबंधित गतिविधियों में अधिक समय बिताने का महत्त्व सिखाया जाना चाहिये।
  - बच्चों पर सोशल मीडिया के बुरे प्रभाव के बारे में उन्हें लगातार व्याख्यान देने के बजाय, उनके अन्य हितों को प्रोत्साहित करें, जो शौक, खेल, सामाजिक कार्य या कुछ भी हो तथा जो आभासी नहीं हो।
- **रचनात्मक रूप से इंटरनेट का उपयोग करना:**
  - बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रचनात्मक रूप से उनके सीखने को बढ़ाने के लिये, या समान रुचियों वाले अन्य लोगों के साथ सहयोग करने का सुझाव दिया जाना चाहिये।
  - उन्हें यह सिखाना भी महत्त्वपूर्ण है कि किस चीज में सार है और किस पर समय बिताने लायक नहीं है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न:

Q. 'वर्तमान इंटरनेट विस्तार ने सांस्कृतिक मूल्यों का एक अलग समूह स्थापित किया है जो अक्सर पारंपरिक मूल्यों के साथ संघर्ष में होते हैं।' चर्चा कीजिये। (2020)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/effect-of-the-internet-on-the-morals-and-values-of-children